नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. देवताओं का स्वरूप निर्धारण कीजिए ।
2. ऋग्वेद में वर्णित दार्शनिक तत्त्वों का वर्णन कीजिए ।
3. यजुर्वेद के प्रतिपाद्य विषय को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।
4. उपनिषद् का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रमुख उपनिषदों का वर्णन कीजिए ।
5. आरण्यक के प्रतिपाद्य विषय पर एक निबंध लिखिये ।
6. रामायण-महाभारत का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।
7. रामायण के काण्डों का वर्ण्य-विषय के आधार पर परिचय दीजिए ।
8. वेदार्थ ज्ञान के लिए वेदाङ्गों की महत्ता पर प्रकाश डालिए ।
9. शतपथ-ब्राह्मण का परिचय दीजिए ।
10. अथर्ववेदीय सूक्तों की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	Paper	Time	Examination Centre
04.07.2014	Paper–I	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.07.2014	Paper–II	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.07.2014	Paper–III	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
12.07.2014	Paper–IV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.07.2014	Paper–V	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.07.2014	Paper–VI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
18.07.2014	Paper–VII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
22.07.2014	Paper–VIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य की परिभाषा देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2. गीतिकाव्य की परम्परा में 'मेघदूत' का महत्त्व निरूपित कीजिए ।
3. गीतिकाव्य के स्वरूप का वर्णन करते हुए इसकी विशेषताएँ एवं भेद–प्रभेद पर प्रकाश डालिए ।
4. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' अथवा 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' की विवेचना कीजिए ।
5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) सिंहासन द्वात्रिंशिका
   (ख) शुकसप्तति
   (ग) जातकमाला
   (घ) मदनपराजय
6. नीतिकथा का परिचय देते हुए इसके वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।
7. नाटक के उत्पत्ति–सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए ।
8. 'उत्तररामचरिते भवभूतिर्विशिष्टयते'–इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
9. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के काव्य–सौन्दर्य का वर्णन कीजिए ।
10. आधुनिक संस्कृत–साहित्य में परवर्ती परम्परा के कवियों एवं उनके काव्यों की मीमांसा कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-III

(भाषा विज्ञान एवं लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा में ध्वनियों के चयन एवं क्रमिकता के महत्व का विवेचन करें ।
2. पारिवारिक वर्गीकरण से आप क्या समझते हैं? सोदाहरण उत्तर दें ।
3. भारोपीय भाषा परिवार के उद्‌भव और नामकरण का विवेचन कीजिए ।
4. ध्वनि–नियम से आप क्या समझते हैं? ग्रिम–नियम का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
5. वैदिक–लौकिक संस्कृत की तुलना कीजिए ।
6. ध्वनि विज्ञान तथा ध्वनि प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं? दोनों के अन्तर को सोदाहरण विवेचित कीजिए ।
7. स्वर–व्यंजन में क्या अन्तर है? इन दोनों का सोदाहरण निरूपण कीजिए।
8. अर्थ–परिवर्त्तन के कारणों का विवेचन कीजिए ।
9. "योग्यता–आकांक्षा–आसत्तियुक्त पदसमूह वाक्य है" – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
10. उदात्त, अनुदात्त और स्वरित से क्या समझते हैं? सोदाहरण उत्तर दें ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृत)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समाज हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. चार्वाक मत का सामान्य परिचय दीजिए ।

2. जैन दर्शन में बन्धन और मोक्ष की कैसी कल्पना है, स्पष्ट करें ।

3. न्याय दर्शन के आधार पर अनुमान–प्रमाण के भेदों का निरूपण करें ।

4. सत्कार्यवाद क्या है? इसके पक्ष में दी गई युक्तियों का विवेचन करें ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
   (क) प्रतीत्यसमुत्पाद (ख) समवाय सम्बन्ध
   (ग) असंप्रज्ञात समाधि (घ) विशिष्टाद्वैत

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. उत्तर वैदिक संस्कृति का परिचय दें ।

7. विवाह संस्कार के महत्त्व का निरूपण करते हुए विवाह के भेदों का वर्णन करें ।

8. गृहस्थ आश्रम के महत्त्व और कर्त्तव्य पर प्रकाश डालें ।

9. वर्णों के गुण–कर्म का वर्णन करें ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
    (क) दान और नैतिक मूल्य (ख) जाति प्रथा
    (ग) पुत्र के प्रकार (घ) वैदिक धर्म

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-V

(संस्कृतेत्तर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. त्रिपिटक साहित्य का परिचय दीजिए।
2. जैन आगम साहित्य का परिचय दीजिए।
3. अपभ्रंश भाषा से आप क्या समझते हैं? इसकी ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक विशेषताओं को बतलाइए।
4. भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है? युक्तिपूर्वक विवेचना कीजिए।
5. भारतेन्दु काल का परिचय दीजिए।
6. बंगलाकाव्य को रविन्द्रनाथ की देन का परिचय दीजिए।
7. तमिल साहित्य को सुब्रह्मण्यम भारती की देन का मूल्यांकन कीजिए।
8. टिप्पणी लिखिए :–

   (क) केशवदास (ख) नकेनवाद
9. मराठी संतकाव्य का परिचय दीजिए।
10. तेलगु के रामकाव्य पर प्रकाश डलिए।

ജ ജ ജ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. माहेश्वर सूत्र से आप क्या समझते हैं? ये कितने और कौन–कौन हैं?

2. वर्णों के उच्चारण–स्थान से आप क्या समझते हैं? स्पर्श, अन्तःस्थ और उष्म वर्ण बताएँ ।

3. हल् सन्धि किसे कहते हैं? इसके किन्हीं पाँच स्वरूपों को सूत्र निर्देशपूर्वक सोदाहरण स्पष्ट करें।

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :–
   (क) अकः सवर्णे दीर्घः (ख) एङः पदान्तादति (ग) हशिच
   (घ) विसर्जनीयस्य सः (ङ) ह्रलोपे पूर्वस्य दीर्घाडणः (च) रोरि
   (छ) इको यणचि (ज) ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्

5. सूत्र निर्देश पूर्वक किन्हीं चार की रूप सिद्धि करें :–
   (क) विष्णवे (ख) प्रेजते (ग) कृष्णैकत्वम्
   (घ) मनीषा (ङ) हरी रम्य (च) पुनारमते
   (छ) मनोरथः (ज) देवा इह

6. कर्ता और कर्म कारक को परिभाषित करते हुए सोदाहरण स्पष्ट करें ।

7. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं चार सूत्रों के उदाहरण अर्थ स्पष्ट करें :–
   (क) सहयुक्तेऽप्रधाने (ख) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
   (ग) प्रातिपदिकार्थ–लिंङ्ग–परिमाण वचनमात्रे प्रथमा (घ) तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या
   (ङ) पञ्चमी विभक्तेः (च) यतश्च निर्धारणम्
   (छ) षष्ठी च अनादरे (ज) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे

8. बहुव्रीहि अथवा द्वन्द्व समास को समझाते हुए उसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण लिखें ।

9. निम्नलिखित में किन्हीं चार पदों की समासविग्रह पूर्वक रूपसिद्धि करें :–
   पीताम्बरः, अपुत्रः, रूपवद्भार्यः, शिवकैशवौ,
   नीलोत्पलम् यूपदारू, कृष्णश्रितः अहोरात्रः

10. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :–
    (क) समर्थः पदविधिः (ख) संख्यापूर्वो द्विगु
    (ग) उपमानानि सामान्यवचनैः (घ) द्वितीया–श्रितातीत–पतित–गतात्यस्त–प्राप्तापन्नैः
    (ङ) उपपदमतिङ् (च) नदीभिश्च
    (छ) परवत्–लिङ्ग द्वन्द्वतत्पुरूषयोः (ज) त्रेस्त्रयः

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्" इस काव्यलक्षण की शक्ति और सीमा का युक्तिपूर्ण विवेचन कीजिए।
2. शब्ददोषों का परिचय दीजिए।
3. नाटक का लक्षण बताते हुए महाकवि कालिदास के नाटकों पर प्रकाश डालिए।
4. ध्वनिकाव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।
5. व्यंजना को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए।
6. गुण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।
7. रससूत्र की विविध व्याख्याओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
8. रसवादी आचार्यों की अलंकार विषयक मान्यता का मूल्यांकन कीजिए।
9. निम्नलिखित अलंकारों की परिभाषा और उदाहरण दीजिए :
   श्लेष, अनुप्रास, विशेषोक्ति, परिसंख्या
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :
    (क) आचार्य विश्वनाथ (ख) चम्पूकाव्य
    (ग) औचित्य सम्प्रदाय (घ) आनन्दवर्धन

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I, पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी एक विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखें :–
(क) भ्रष्टाचारम् (ख) आपदा–प्रबन्धनम् (ग) विश्वबन्धुत्वम्

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :–
(क) हम ईश्वर को प्रणाम करते हैं । (ख) राकेश लेखनी से लिखता है ।
(ग) अवन्ती के चारो ओर सुन्दर वाटिका है । (घ) जटा से तपस्वी प्रतीत होता है ।
(ङ) दस वर्षों में अध्ययन समाप्त हो गया । (च) राजा सेवक के लिए धन देता है ।
(छ) हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए। (ज) कालिदास ने रघुवंश महाकाव्य की रचना की ।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
परितः, हसितुम्, भुक्त्वा, सेवमानः, परिधाय, पञ्चधा, स्वाहा, दृष्टा

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
पुरा मथुरायाम् एकः नृशंसः नृपतिः अभवत् । तस्य नाम कंसः आसीत् । तस्य एका भगिनी देवकी नाम आसीत् । वसुदेवेन सह देवक्याः विवाहः अभवत् । प्रस्थानकाले आकाशवाणी अभवत्–देवक्याः पुत्रः कंसस्य घातकः भविष्यति । तदा कंसः देवकीम् वसुदेवम् च कारागारे अक्षिपत् । कंसः तस्याः नवजातान् शिशून सदैव अमारयत् । परं यदा कारागारे श्रीकृष्णः उत्पन्नः अभवत् तदा भाद्रपदमासस्य कृष्णपक्षस्य अष्टमी तिथिः आसीत् । वसुदेवः तं रात्रौ गोकुलमनयत् । अयम् श्रीकृष्णः एव पश्चात् कंसम् अमारयत् । तस्य जन्मोत्सवः एव जन्माष्टमी इति अभिधानेन प्रसिद्धः अभवत् ।
प्रश्ना :– (क) जन्माष्टमी कदा सम्पदद्यते? (ख) मथुरायाम् कः नृपः नृशंसः आसीत्?
(ग) कंसः कौ कारागारे अक्षिपत्? (घ) श्रीकृष्णं कः गोकुले अनयत्?
(ङ) देवक्याः नवजातान् शिशून् कः अमारयत्? (च) श्रीकृष्णस्य जन्मः कदा अभवत्?
(छ) श्रीकृष्णस्य पित्रोः नामनी लिख्येताम् । (ज) अनुच्छेदस्य शीर्षकं लेख्यम् ।

5. संस्कृत के महत्व का वर्णन करते हुए अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखें ।

6. छात्रवृत्ति हेतु अपने प्राचार्य को एक आवेदन–पत्र लिखें ।

7. उचित शीर्षक देते हुए निम्नलिखत गद्यांश का संक्षेपन करें :–
सर्वे जनाः स्वप्रतिष्ठायै यतन्ते । परं हि नाम लिङ्गविशेषेण, वयसः आधिक्येन वा पूजार्हत्वं न प्राप्यते । बालो वृद्धो वा पुरूषः स्त्री वा सममेव अस्माकं पूजायाः पात्रमस्ति इति यदि तेषु गुणाः वर्तन्ते । कस्यापि पूजा स्त्रीत्वेन पुरूषत्वेनैव वा केवलं न भवति । स्त्रीषु अहल्याबाई लोकातिगगौरवान्विता । लक्ष्मीबाई च भारत देशे कस्मादपि पुरूषान्न्यूनत्वेन न दृष्टा । कामपि गुणविहीनाम् स्त्रीत्वेन केवलम् अल्पमतयः पूजयन्ति । गुणस्तु शाश्वतो नित्यः सनातनश्च यथा स्वर्णमयानि वस्तूनि बहवः क्रीणन्ति, तथैव गुणवान् पुरूषो जनानामादरं लभते ।
वृद्धः धनिकोऽपि वा जनः यदि गुणविहीनः स आदरं पूजां वा नार्हति। नोचितं केवलं वृद्धत्वं पूजार्हम् । बालगुणान् बालकानपि महर्षयः पूजयन्ति । अल्पवयसं रामम् ऋषयः सर्वे सादरं पूजितवन्तः । ध्रुवस्तु सर्वेषाम् ऋषीणाम् आदरपात्रम् अभूत् । गुरूगोविन्दसिंहस्थ स्वधर्म रक्षकौ द्वौ पुत्रौ कोटभितौ विधर्मिभिः निवेशितौ अधुनापि किन्नार्हतः पूजाम्? अभिमन्युकथा बालकानाम् शूराणां च सहैव पूज्यत्वं भजते । पण्डितस्य अष्टावक्रस्य बालत्वं पूज्यत्वं नाधिक्षिपति ।

8. निम्नलिखित पदों के विग्रह–पद लिखें :–
जितेन्द्रियः, प्राप्तधनः, सत्यप्रियः, नीलाम्बरः, द्विपात्, महात्मा, त्रिलोचनः, पितरौ

9. अनेक शब्दों के स्थान पर निष्पन्न एक पद को लिखें :–
(क) वसुदेवस्य अपत्यं पुमान् (ख) ज्ञातुम् इच्छति (ग) पठितुम् इच्छति (घ) शब्दं करोति
(ङ) कृष्णः इव आचरति (च) तपः चरति (छ) जाया च पतिः च (ज) अल्पा बुद्धिः यस्य सः

10. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
(i) बालकम् ..... त्रायस्व । (दुष्टात्, दुष्टम्) (ii) ..... आगच्छति भवान् । (कुतः, कुत्र)
(iii) राजेन्द्र प्रसादः.....आसीत । (राष्ट्रपतिः, राष्ट्रपतिम्) (iv) वामनः ..... वसुधां याचते । (बलिम्, बलिः)
(v) छात्रेण ..... पठ्येत । (वेदम, वेदः) (vi) ..... रोचते भक्तिः । (हरिः, हरये)
(vii) सुषमा ..... बिभेति । (सर्पस्य, सर्पात्) (viii) चतुर्णां ..... उत्तरं देहि । (प्रश्नान्, प्रश्नानाम)
(ix) अशोकः महान.....आसीत् । (सम्राटः, सम्राट्) (x) मया ..... दृश्यते । (चन्द्रः, चन्द्रं)
(xi) ..... कुत्र गच्छतः? (बालकाः, बालकौ) (xii) अहं प्रतिदिनं.....गच्छामि । (महाविद्यालये, महाविद्यालयं)
(xiii).....दौपदी अग्रगण्या । (नारीं, नारीषु) (xiv).....गङ्गा प्रभवति । (हिमवान्, हिमवतः)
(xv).....रामायणं रचितवान् (बाल्मीकिः, बाल्मीकिना) (xvi) .....विद्या गरीयसी । (धनेन, धनात्)

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद्)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक देवता के रूप में अग्नि का परिचय दीजिए ।
2. 'सूर्य' देवता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :-
   (क) अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवे दिवे ।
   यशसं वीरवत्तमम् ।।
   (ख) इदम् त्यत्पुरूतमं पुरस्ताज् ज्योतिस्तमसो वयुनावदस्थात् ।
   नूनं दिवो दुहितरो विभातीर् गातुं कृणवन्नषसो जनाय ।।
4. सामाजिक दृष्टि से 'सामनस्यम्' सूक्त के महत्व की विवेचना कीजिए ।
5. पंचक क्या है ? सविस्तार विवेचन कीजिए ।
6. व्यक्तित्व-निर्माण में तैत्रिरीयोवनिषद् में दिए गए दीक्षान्त-भाषण में आए तथ्यों के महत्व व प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
7. व्याहृतियों की परिभाषा देते हुए उसके अर्थ पर प्रकाश डालिए ।
8. 'उषा' सूक्त के आधार पर वैदिक ऋषि के काव्य सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।
9. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या-क्या उपदेश दिए ? लिखिए ।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :
    (क) "इदं सर्वं यदयमात्मा ।"
    (ख) "एवं सर्वेषां वेदनां वागेकायनम् ।"
    (ग) ''न प्रेत्य संज्ञाऽस्ति इति अरे ब्रवीमि इति ।''
    (घ) "शङ्खस्य तु ग्रहणेन शङ्खध्मात वा शब्दो गृहीत : ।"

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Sanskrit, Part–II

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
13.08.2014	Paper–IX	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
19.08.2014	Paper–X	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
21.08.2014	Paper–XI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
23.08.2014	Paper–XII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
25.08.2014	Paper–XIII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
27.08.2014	Paper–XIV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
29.08.2014	Paper–XV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
02.09.2014	Paper–XVI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. महाकाव्य का लक्षण निरूपित करते हुए संस्कृत के प्रमुख महाकाव्यों के विषय में संक्षेप में बतलाइए।

2. महर्षि वाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय देते हुए वर्तमान समय में रामायण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें ।

3. किष्किन्धाकाण्ड के वर्षा वर्णन का संक्षेप में वर्णन करें ।

4. गीता के भक्तियोग का विवेचन करें ।

5. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या करें :-
   (क) अविनाशी तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम् ।
   विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित्कर्तुमर्हति ।।
   (ख) दुःखेष्वनुद्विग्नमना, सुखेषु विगतस्पृहः ।
   वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरूच्यते ।।

6. गीता के सांख्ययोग की विवेचना कीजिए ।

7. महाभारत के उद्योगपर्व का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

8. विदुरनीति के आधार पर दुर्जनों के लक्षण पर प्रकाश डालें ।

9. विदुरनीति का स्रोत एवं परिचय दीजिए ।

10. नीतिकाव्य का क्या उद्देश्य है । आधुनिक परिवेश में इसकी उपादेयता को समझाईए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं ***दो*** पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :-
   (क) विलम्बहारा चलयोक्त्रका सा तस्मात् विभानात् विनता चकाशे ।
   तपःक्षयात् अप्सरसां वरेव च्युतं विभानात् प्रियभीक्षमाणा ।।
   (ख) ततः परं दुष्प्रसहं द्विवद्भिः नृपं नियुक्ता प्रतिहार-भूमौ ।
   निदर्शयाभास विशेष-दृश्यम इन्दुं नवोत्थानभिवेन्दुमत्यै ।।
   (ग) निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरि दानं विरहस्य्य सत्क्रियाम् ।
   प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया ।।
   (घ) व्यासः कन्यातनुजो
   जय प्रणेता मुनिः स सर्वज्ञः ।
   नाभैषीत सत्यवती
   नाप्यभवल्लोक उपहासः ।।

2. निम्न पदों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :-
   (क) स तु त्वदर्थं गृहवासभप्सन् जिजीविषुः त्वत्परितोष-हेतोः ।
   भ्रात्रा किलार्येण तथागतेन प्रव्राजितो नेत्र-जलार्द्र-वकत्रः ।।
   (ख) अनेक-राजन्य-रथाश्व-संकुलम्
   तदीयमास्थान-निकेतनाजिरम् ।
   नयत्ययुग्म-च्छदगन्धिः आर्द्रताम्
   भृशं नृपोपायन-दन्तिनां मदः ।।

3. बौद्धकाल में संस्कृत काव्य-रचना का विवेचन कीजिए ।

4. संस्कृत महाकाव्यों की बृहत्त्रयी से आप क्या समझते हैं ? क्या यह नामकरण उचित है ? विवेचन कीजिए ।

5. महाभारत को विकासमान महाकाव्य कहा गया है, इस कथन की विवेचना कीजिए ।

6. महाकाव्य के रूप में सौन्दरनन्द की समीक्षा कीजिए ।

7. रघुवंश की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

8. 'भारवेः अर्थ गौरवम्' उक्ति की समीक्षा कीजिए ।

9. कवि रामकरण शर्मा की रचना की सामाजिक, सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का विवेचन कीजिए ।

10. राधेयोऽस्मि वास्मि पार्थो वां कविता के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम् - इस प्रशस्ति का सन्दर्भ सहित विवेचन करें ।

2. निम्नलिखित संदर्भों में किन्हीं दो की व्याख्या करें -
   (क) अपरिणामोपशमो दारूणो लक्ष्मी मदः
   (ख) सततमूलमन्त्रगम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः ।
   (ग) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका ।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन करें ।

4. निम्नलिखित गंद्याशों में से किन्हीं दो का अनुवाद हिन्दी में करें -
   (क) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरूध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । न सत्यमनुबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति ।
   (ख) गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति । अद्याप्यारूढ-मन्दर-परिवर्तावर्त-भ्रान्ति-जनित-संस्कारेव परिभ्रमति । कमलिनी-संचरण-व्यतिकर-लग्न-नलिननाल-कण्टकक्षतेव-न क्वचिदपि निर्भरमाबध्नाति पदम् ।
   (ग) सर्वथा तमभिनन्दन्ति, तमालपन्ति, तं पार्श्वे कुर्वन्ति, तं संवर्धयन्ति, तेन सह सुखमवतिष्ठन्ते, तस्मै ददति, तं मित्रतामुपजनयन्ति, तस्य वचनं श्रृण्वन्ति, तत्र वर्षन्ति, तं बहु मन्यन्ते, तं आप्तताम् आपादयन्ति, योऽहर्निशम् अनवरतम् उपचिताञ्जलि-रधिदैवतम् इव विगतान्यकर्त्तव्यः स्तौति, यो वा महात्म्यमुद्भावयति ।

5. आर्यशूर की काव्यशैली का सोदाहरण विवेचन करें ।

6. शिबि जातक की कथा संक्षेप में लिख कर उसके संदेश का निरूपण करें ।

7. निम्नलिखित संदर्भों का अनुवाद करें -
   (क) अथ सा व्याघ्री तेन बोधिसत्त्वस्य शरीर-निपातशब्देन समुत्थापित कौतूहलामर्षा विरम्य स्वतनयवैशसोद्यमात् ततो नयने विचिक्षेप । दृष्ट्वैव च बोधिसत्त्वशरीरमुद्गत प्राणं सहसाभिसृत्य भक्षयितुमुपचक्रमे ।
   (ख) स कृतसंस्कारक्रमो जातकर्मादिभिरभिवर्धमानः प्रकृति-मेधावित्वात् सानाथ्य-विशेषाज्ज्ञानकौतूहलाद् अकौसीद्याच्च नचिरेणैवाष्टादशसु विद्यास्थानेषु स्वकुलक्रमाविरूद्धासु च सकलासु कलास्वाचार्यकं पदमवाप ।

8. मैत्रीबल जातक की कथा प्रस्तुत करते हुए उसके संदेश का निरूपण करें ।

9. शिवराजविजय के कथानक का संक्षिप्त परिचय दें ।

10. रयीशः के पाठ्यांश का सारांश लिखें ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
2. नायक तथा नायिका को परिभाषित करते हुए उनके भेदों पर प्रकाश डालिए ।
3. रूपक के उद्‌भव पर विचार करते हुए उसके क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए ।
4. मृच्छकटिकम्‌ के प्रथम अंक को अलंकारन्यास नायक अंक कहा गया है । क्यों?
5. मृच्छकटिकम्‌ के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
6. "मुद्राराक्षस" की कथावस्तु की मीमांसा करें ।
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम्‌ के चतुर्थ अंक में करूणा की धारा कवि द्वारा बहाई गई है । कैसे?
8. उत्तररामचरित नाम की सार्थकता की मीमांसा कीजिए ।
9. अपूर्वः प्रतिशोधः के आधार पर अश्वत्थामा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
10. नीड निर्माणाम्‌ की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2014

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(व्याकरण)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब" से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :-
   (क) अजाद्यतष्टाप् (ख) वयसि प्रथमे
   (ग) टाबृचि (घ) यूनस्ति
   (ङ) यड.श्चाप् (च) षिद्गौरादिभ्यश्च

2. निम्नलिखित पदरूपों में किन्ही ***चार*** पदों की सिद्धि सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए :-
   (क) श्वश्रूः (ख) लध्वी
   (ग) इन्द्राणी (घ) सूर्या
   (ङ) नारी (च) गार्ग्यी

3. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :-
   (क) कर्तरि कर्मव्यतिहारे (ख) परिव्यवेभ्यः क्रियः
   (ग) वेः पादविहरणे (घ) समवप्रविभ्यः स्थः
   (ङ) नाऽनोर्ज्ञः (च) दाणश्च सा चेत्चतुर्थ्यर्थे

4. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :-
   (क) विभाषा श्वेः (ख) अनुपराभ्यां कृञः
   (ग) उपाच्च (घ) अणावकर्मकात् चित्तवत्कर्तृकात्
   (ङ) निगरणचलनार्थेभ्यश्च (च) परेर्मृषः

5. निम्नलिखित पदरूपों में किन्हीं ***चार*** पदों की सिद्धि निर्देशपूर्वक कीजिए :-
   (क) अभिक्षिपति (ख) प्रवहति
   (ग) अध्यापयति (घ) निविशते
   (ङ) प्रक्रमते (च) उपयुङ्क्ते

खण्ड 'ब'

6. कृत् प्रत्यय किसे कहते हैं ? कर्तृवाचक कृत प्रत्ययों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।

7. धातु का अर्थ स्पष्ट करते हुए सकर्मक और अकर्मक धातुओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।

8. वाच्य से आप क्या समझते हैं ? कर्मवाच्य और भाववाच्च के रूप बनाने के नियमों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिये :-
   (क) पूर्वकालिक कृतप्रत्यय (ख) उणादि
   (ग) कृत्यप्रत्यय (ङ) सत्

10. स्त्री प्रत्यय किसे कहते हैं ? स्त्री प्रत्ययों की संख्या कितनी है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-**II**, पत्र-**XV**

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरत एवं उनके नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए ।
2. भारतीय ज्योतिष के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
3. वेदों में आयुर्वेद का स्थान निरूपित कीजिए ।
4. पूर्व पाणिनेय व्याकरण से त्रिमुनि व्याकरण तक की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
5. वर्गीकरण के साथ संस्कृत व्याकरण की परम्परा प्रदर्शित कीजिए ।
6. अमरपूर्व कोशीय इतिहास पर प्रकाश डालिए ।
7. कोश शास्त्रीय इतिहास पर निबन्ध लिखिए ।
8. स्मृति ग्रंथों पर प्रकाश डालिए ।
9. भाष्य एवं निबन्ध शास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :-
    (क) धान्वन्तर सम्प्रदाय
    (ख) अष्टाध्यायी

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिसमें प्रश्न सं० 1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (i) माघे सन्ति त्रयोगुणः (ii) काव्यप्रयोजनम् (iii) एको एसः करुण एव

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (i) रामः दशरथस्य प्रियः पुत्रम् आसीत् ।
   (ii) मधुरं आम्राणि मह्यं रोचते ।
   (iii) चत्वारः कन्याः सीवन्ति ।
   (iv) एतानि बालकाः निबन्धं लिखन्ति ।
   (v) विद्वानस्य वाक् सुमिष्टा ।
   (vi) गां सेवामानं रोजा सिंहम् अपश्यत् ।
   (vii) संस्कृतं भारतस्य गौरवमयी भाषा विद्यन्ते ।
   (viii) अग्निः पवित्रं मां पुनातु ।
   (ix) शिष्यः गुरुं सेवति ।
   (x) सः विष्णुस्य भक्तः आसीत् ।
   (xi) रामेण रावणः हतवान् ।
   (xii) सः वृद्धं जनेन सह आगतवान् ।
   (xiii) वित्तस्य त्रीणि गतयः भवन्ति ।
   (xiv) इदं बालिका कोलकालात् समागता ।
   (xv) वयं संस्कृतं अपठामः ।
   (xvi) विद्वान् सर्वत्र पूज्यन्ते ।

3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–

   अस्माकं भारतवर्षं कृषिप्रधानः देशः अस्ति । अस्मिन् देशे बहुसंख्यकाः जनाः ग्रामेषु निवसन्ति । कृषिः एव तेषां मुख्यं जीविकासाधनम् । कृषिं बिना अलस्य उत्पादनं न सम्भवति । अन्नाद् एवं जीवनशक्तिम् (ऊर्जाम्) आधाय प्राणिनः प्राणवन्तः गतिशीलाश्च भवन्ति । अस्माकं प्राचीना कृषिव्यवस्था अतीव उन्नता वैज्ञानिकी च आसीत् । चतुर्षु वेदेषु कृषेः महत्त्वं वर्ण्यते । वैदिकजनाः स्वकृषिकार्यार्थं मुख्यतया वृष्टिम् आश्रिताः आसन् । वेदे क्षेत्राणां सेचनप्रबन्धविषये अपि उल्लेखेः प्राप्यते । सेचनकार्येषु कूपानाम् अपि उपयोगः भवति स्म । अरघट्टयन्त्रैः कूपेभ्यः जलं निस्सार्थं बृहतीभिः कुल्याभिः जलं क्षेत्रेषु वावह्यते । पशुपालनवृत्तिः कृषिकार्यार्थम् अत्यावश्यकी वर्तते । अतएव वैदिक–साहित्ये गोविषयिणी चर्चा आयाति । वैदिकजनाः गाः उत्तमधनरूपेण स्वीकुर्वन्ति स्म । वैदिकजनाः पृथिवीं स्वमातरं मन्यन्ते स्म । माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्या इति सूक्तिः अथर्ववेदे विद्यते । पृथिवी मातेव अस्मान् पालयति इति जनानां बद्धमूला धारणा आसीत् (109 शब्द) ।

4. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (i) विद्या ददाति विनयम् (ii) सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् (iii) परोपकाराय सतां विभूतयः

5. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) उक्ते कर्मणि प्रथमा (ii) येनाङ्गविकारः (iii) अधि–शीङ्–स्थासां कर्म
   (iv) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (v) भीत्रार्थानां भयहेतुः (vi) यतश्च निर्धारणम्

6. बहुव्रीहि अथवा तत्पुरुष समाज की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

7. वाच्य परिवर्तन कीजिए :–
   (i) गायकाः गीतानि गायन्ति ।
   (ii) बालकः चन्द्रं पश्यति ।
   (iii) क्रोधः ज्ञानं नाशयाति ।
   (iv) पुरुषकारेण चौरः गृह्यते ।
   (v) छात्राः प्रार्थनां कुर्वन्ति ।
   (vi) राष्टपतिः राष्ट्रं सम्बोधयति ।
   (vii) पक्षिणः जालं हरन्ति ।
   (viii) बालिका भोजनं पचति ।
   (ix) पित्रा कटुवचनं उच्यते ।
   (x) वयं विद्यालयं गतवन्तः ।
   (xi) वयम् हसामः ।
   (xii) मयूराः नृत्यन्ति ।
   (xiii) शिशुः रुदति ।
   (xiv) रामः रावणं हतवान् ।
   (xv) छात्रः वेदं अपठत् ।
   (xvi) शिष्यः गुरु सेवते ।

8. संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम बताइए :–
   (i) उज्ज्वल (ii) अधिष्ठानम् (iii) सम्राट (iv) यशांसि
   (v) अन्ताराष्ट्रिय (vi) रामश्शेते (vii) गव्यूति (viii) वृक्षेऽस्मिन्

9. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :–
   (i) ज्येष्ठः (ii) विस्तारः (iii) नागरः (iv) सम्मानः
   (v) अनुकूलः (vi) अमृतम् (vii) कटु (viii) आस्तिकः

10. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    (i) अमृतम् (ii) कार्तिकेय (iii) चन्द्रमा (iv) पक्षी
    (v) समुद्र (vi) कामदेव (vii) द्योटकः (viii) पार्वती

ꕥ ꕥ ꕥ